हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 12 जनवरी 2026

12 अब अपनढ़ मजदूरों के लिए मजदूरी पाना और ...

12 भूषण कुमार ने 25वीं बार रक्तदान किया रक्तदाताओं...

अखत्यार पुरा की बेटी शिखा सांगवान ने नेशनल में जीता गोल्ड मेडल

देश के सैकड़ों प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭| चरखी दादरी

फरीदाबाद में 7 से 11 जनवरी तक पावर लिफ्टिंग इंडिया के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर की बैंच प्रेस पावर लिफ्टिंग चैम्पियनशिप का आयोजन किया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों से आए सैंकड़ों प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया।

इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हरियाणा की होनहार खिलाड़ी शिखा सांगवान ने जूनियर वर्ग कैटेगरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अखत्यारपुरा गांव की शिखा ने गोल्ड मेडल जीतकर न केवल अपने गांव बल्कि पूरे जिले और प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। शिखा की इस उपलब्धि पर हरियाणा पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के सचिव गोपालकृष्ण, सह-सचिव राजेश, प्रधान राजकुमार अहलावत सहित अन्य पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सभी ने शिखा के अनुशासन, मेहनत और लगन की सराहना करते हुए कहा कि वह आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रदेश का नाम रोशन करेंगी। इस अवसर पर शिखा सांगवान के पिता सुरेंद्र सांगवान ने प्रतियोगिता आयोजकों, कोच, एसोसिएशन पदाधिकारियों एवं सभी शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया और बेटी की सफलता को सभी के सहयोग का परिणाम बताया।

■ हरियाणा पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के सचिव गोपालकृष्ण, सह-सचिव राजेश, प्रधान राजकुमार अहलावत सहित अन्य पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी

खबर संक्षेप

किसान के खेत से नोजल और पाइप चोरी, केस दर्ज

लोहारू। अमीरवास में चोर एक किसान के खेत से नोजल व पाइप चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में खरकड़ी निवासी विकास ने बताया कि वह अमीरवास गांव में काश्तकार के रूप में जमीन काश्त कर रहा है। उसने खेत में एल्यूमिनियम के पाइप व नौजल लगा रखे थे। तीन दिन पहले चोर खेत में लगे 18 पाइप और नौजल चोरी कर ले गए। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

बेसहारा पशुओं के लिए मसीहा बने दुकानदार

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के दुकानदार शीतकालीन सीजन में बेजुबान बेसहारा पशुओं के लिए किसी मसीहा से कम नहीं हैं। दुकानदारों में महेश मैसी सिंदवानी, अनूप कुमार, रामदिया देसवाल, प्रवीण चित्रा, मोनू हांडा आदि द्वारा मिलकर सुबह सुबह अलाव का प्रबंध किया जाता है और बेसहारा पशु आकर इसका लाभ उठाते हैं। जिससे राहगीर व आमजन भी दुकानदारों की इस सोच को नमन करते हैं। दुकानदारों ने बताया कि जब इंसानों को हाड़ कंपाती सर्दी में सब जाम सा प्रतीत होता है तो बेजुबान बेसहारा पशुओं को भी ठंड लगती है उन्होंने आभास किया और इनके लिए अलग से आग जलाई जाती है जिससे पशु एकत्रित होकर इसका आनंद लेते हैं। उन्होंने बताया सभी को हटकर कार्य करना चाहिए।

सीआईए ने हेरोइन सहित आरोपी दबोचा

भिवानी। पुलिस सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी के उप निरीक्षक बलजीत सिंह अपनी टीम के साथ गश्त व पड़ताल ड्यूटी के दौरान बस स्टैंड भिवानी क्षेत्र में मौजूद थे। इसी दौरान पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति बैंक कॉलोनी भिवानी क्षेत्र में मादक पदार्थ हीरोइन बेचने के उद्देश्य से आया हुआ है। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गली नंबर-1, बैंक कॉलोनी भिवानी से एक व्यक्ति को काबू किया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 7.65 मिलीग्राम मादक पदार्थ हेरोइन बरामद की गई। आरोपी की पहचान हार्दिक निवासी सेक्टर-13 भिवानी के रूप में हुई है।

अवैध हथियार सप्लाई मामले में आरोपी पकड़ा

भिवानी। स्पेशल स्टाफ ईश्वरवाल की टीम ने अवैध हथियार सप्लाई करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। स्पेशल स्टाफ ईश्वरवाल की टीम ने तोशाम क्षेत्र से आरोपी सलीन को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान आरोपी सलीन ने खुलासा किया कि यह अवैध हथियार उसने गांव भैंसली, थाना हमीरवास, जिला राजस्थान निवासी व्यक्ति से प्राप्त किया था। स्पेशल स्टाफ ईश्वरवाल के मुख्य सिपाही प्रदीप कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार उपलब्ध कराने वाले आरोपी को राजस्थान के थाना हमीरवास क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान अंकित पुत्र पूर्ण राम, निवासी भैंसली, थाना मीरवास, जिला राजस्थान के रूप में हुई है।

700 क्यूसिक पानी कम मिला मिताथल फीडर करना पड़ा बंद

नहरों की सफाई नहीं होने से अंतिम छोर तक कम पहुंच रहा पानी

सिंचाई विभाग ने जिले की नहरों के लिए 2100 क्यूसेक पानी की मांग की थी,लेकिन महज 1406 क्यूसेक ही पानी मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭| भिवानी

भले ही बारिश के सीजन में जमकर आसमान से पानी बरसा हो और अनेक जगहों पर अभी भी जलभराव की समस्या बनी हो,लेकिन नहरी पानी की खासी कमी बनी है।

नहरी पानी की कमी के चलते जिले की नहरों में मांग के अनुरूप सात सौ क्यूसेक कम पानी मिला है,जिस वजह से जिले की नहरों का गणित पूरी तरह से गड़बड़ा गया है। पानी की कमी के चलते सिंचाई विभाग को मजबूरन मिताथल फीडर को बंद करना पड़ा। फिलहाल सुंदर में 512 क्यूसेक तथा जुई फीडर में 894 क्यूसेक पानी बह रहा है। हालांकि दोनों नहरों मांग की अपेक्षा कम पानी बह रहा है,लेकिन उसके बावजूद कुछ हद तक इन नहरों पर पड़ने वाले जलघरों में पानी पहुंचाया जा सके।

■ फिलहाल सुंदर में 512 क्यूसेक तथा जुई फीडर में 894 क्यूसेक पानी छोड़ा

सिंचाई विभाग ने जिले की नहरों के लिए 21 सौ क्यूसेक पानी की मांग की गई थी,लेकिन यमुना में पानी कम होने की वजह से सुंदर ग्रुप की नहरों में महज 1406 क्यूसेक ही पानी मिल पाया है। शुरू में तो केवल सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी में ही पानी चलाया गया,लेकिन बाद में थोड़ा सा पानी बढ़ा तो मिताथल फीडर में छोड़ा गया। ताकि इन नहरों पर पड़ने वाले जलघरों तक पानी पहुंचाया जा सके। तीन दिनों तक पानी चलने के बाद शनिवार शाम को सिचांई विभाग ने सुंदर में पानी कम करके 512 क्यूसेक कर दिया, उक्त नहर में साढ़े नौ सौ क्यूसेक पानी की मांग भेजी गई थी। जुई फीडर में नौ सौ क्यूसेक पानी छोड़े जाने की मांग की गई थी,लेकिन उक्त नहर में 894 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।

सूखने लगीं फसलें

इस बार अभी तक नहर व माइनरों की सफाई न होने की वजह से झाड़ियों व घास व फूस से अटे हुए है। सफाई न होने की वजह से इनके अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंचा पाया है। विगत में तेज बारिश व जगह जगह मिट्टी पड़ी होने की वजह से पानी आगे नहीं बढ पा रहा है। सफाई न होने की वजह से पानी अंतिम छोर तक नहीं पहुंच पाया है। जिस वजह से अंतिम छोर पर पड़ने वाले खेतों की सिंचाई नहीं पाई। सिंचाई न होने की वजह से फसलें सूखने लगी है। दूसरी तरफ जिन माइनरों के अंतिम छोर पर जलघर है। उन गांवों के जलघरों तक पानी नहीं पहुंच पाया है। ऐसे में उन गांवों में पीने के पानी के लिए समस्या खड़ी है। पानी की कमी के चलते हजारों एकड़ भूमि बिना सिंचाई के रहने के आसार हो गए है।

भिवानी। बहल में आंगनबाड़ी केन्द्र में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ता व महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

नवजात को कुपोषण से बचाना सबसे बड़ी जिम्मेदारीः रीतू

हरिभूमि न्यूज ⏭| बहल

बहल कस्बे की राजकीय विद्यालय में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण जागरूकता के लिए अभिवावक-शिक्षक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास, पोषण की जानकारी व अभिवावकों की भागेदारी को बढ़ावा देने के लिए रहा। रविवार को आयोजित हमारा पोषण हमारी पंचायत कार्यक्रम के तहत सुपरवाइजर रीतू नागर ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व गर्भवती महिलाओं के लिए शिक्षकों व जनप्रतिनिधयों को जागरूक किया।

रीतू ने कहा कि हम किसी न किसी तरह से नौनिहालों से सीधे संपर्क में है। इसमें नवजात की मां को उसके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की जरूरत है वहीं नवजात को कुपोषण से बचाना बड़ी जिम्मेदारी है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों व अभिवावकों को जागरूक करना है ताकि गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं में पोषण की कमी न हो। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे गर्भवती महिलाओं से संपर्क करें और उनको खानपान में हरी पत्तेदार सब्जियां, दालों का प्रयोग करें व बाजरा, रागी, चना जैसे मोटे अनाज को अपनी खुराक में शामिल करने की प्रेरणा दें।

ये रहीं मौजूद

इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अनीता, सुनीता, रीतू सहित अनेक महिलाएं मौजूद रही।

■ समाज की नींव धर्म और सेवा पर टिकी

अढ़ाई कोसी नगर परिक्रमा के नौ माह पूरे होने पर श्रद्धालुओं ने प्रणामी मंदिर में टेका मत्था

हरिभूमि न्यूज ⏭| ⏮ भिवानी

छोटी काशी भिवानी नगरी इन दिनों धार्मिक अनुष्ठानों के केंद्र में है। स्थानीय हनुमान जोहड़ी मंदिर धाम के महंत बालयोगी चरणदास महाराज के नेतृत्व में निकाली जा रही अढ़ाई कोसी परिक्रमा के 9 महीने पूरे होने पर शहर में उत्सव जैसा माहौल देखा गया। युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित इस यात्रा में बुजुर्गों के साथ-साथ युवाओं और महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस विशेष पड़ाव पर महाराज के सानिध्य में सैंकड़ों श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए ऐतिहासिक प्रणामी मंदिर पहुंचे और वहां मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना की।

भक्ति गीतों पर झूमे श्रद्धालु

यह परिक्रमा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि भिवानी की ऐतिहासिक विरासत से जुड़ने का माध्यम भी है। बालयोगी महंत चरणदास ने बताया कि यात्रा शहर के उन 12 ऐतिहासिक दरवाजों से होकर गुजरती है, जो सदियों से भिवानी की सुरक्षा और अद्भुत वास्तुकला के प्रतीक रहे हैं। परिक्रमा के दौरान श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए। महंत चरणदास ने कहा कि परिक्रमा का अर्थ केवल पैदल चलना नहीं, बल्कि अपने इष्ट के प्रति पूर्ण समर्पण है।

आध्यात्मिक कैफे पर होती मानसिक एवं सामाजिक परिचर्चाः बीके सुमित्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭| भिवानी

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय माउंटआबू शिक्षा प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे आध्यात्मिक कैफे अभियान के दौरान शाखा सिद्धिधाम में कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में शाखा प्रमुख राजयोगिनी बीके सुमित्रा, राजयोगिनी बीके कीर्ति, राजयोगिनी बीके सुमन महम उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन बीके आरती ने किया तथा उपस्थित जनों ने ज्यादा सोचना सेहत के लिए हानिकारक विषय पर अपने-अपने विचार सांझा किए। बीके सुमित्रा ने बताया कि आध्यात्मिक कार्यक्रम आज की युवा पीढ़ी में अच्छे संस्कार पैदा करने व भारतीय संस्कृति से रूबरू कराने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि समय-समय पर शाखा सिद्धिधाम में ऐसे आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे ताकि लोगों में आध्यात्म के प्रति रूचि पैदा हो और वे अपने जीवन को सरल व सुगम बना सकें।

योजना को स्वीकृति दिलवाने पर पूर्वमंत्री का आभार जताया

बाढ़ड़ा। प्रदेश सरकार की वाटर शेयरिंग योजना से लंबे समय से समान पानी से वंचित बाढ़ड़ा, लोहारु, दादरी, भिवानी सहित समस्त दक्षिणी हरियाणा को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। नंबरदार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष देवीलाल काकड़ौली, युवा किसान नेता शक्ति पहलवान व रविशंकर शर्मा आदि ने जल शेयरिंग मिशन पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि प्रदेश के पूर्वमंत्री जयप्रकाश दलाल के प्रयासों से वर्ष 2024 तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहरलाल व मौजूदा सीएम नायब सिंह सैनी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में ऐतिहासिक जल शेयरिंग परियोजना की रूपरेखा तैयार की थी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत पाइप लाइन के माध्यम से हथिनीकुण्ड बैराज से यमुना नदी का जल सीधे राजस्थान से सटे भिवानी, दादरी जिले तक पहुंचाया जाएगा। इससे विशेष रूप से बाढ़ड़ा, लोहारू एवं सिवानी के टेल क्षेत्र में पेयजल एवं सिंचाई के लिए नहरी जलस्तर में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी और वर्षों से चली आ रही जलसंकट की गंभीर समस्या का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा।

■ वाटर शेयरिंग योजना से बाढ़ड़ा, लोहारु, दादरी व भिवानी के गांवों को मिलेगा लाभ

सुन लो कन्हैया अर्जी हमारी, तारो ना तारो ये मर्जी तुम्हारी...

भिवानी। वीरवान पाना में श्रीश्याम गुणगान मंडल द्वारा आयोजित श्रीश्याम अखंड ज्योति पाठ के दौरान बाबा खाटू श्रीश्यामजी का जन्मोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया। आमंत्रित कलाकारों ने बाबा का गुणगान कर श्रद्धालुओं को भजनों के माध्यम से भाव-विभोर कर दिया। भजन गायक प्रवीण बासिया लड्डू व हिसार से पावणी खुराना ने सुन लो कहैया, अर्जी हमारी, तारो ना तार, ये मर्जी तुम्हारी एवं लड्डू ने माता पहलवती के आंगनियों में श्याम लियो अवतार, माता पहलवती के भजनों से सुनाकर भक्तिमय धारा प्रभावित की। इस अवसर पर बाबा जन्मोत्सव बारे प्रकाश डालते हुए प्रवीण बासिया ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को खाटू श्याम बाबा का जन्म हुआ था। इसलिए यह तिथि उनके जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती है। राजस्थान के सीकर जिले स्थित खाटूधाम मंदिर में इस दिन विशेष उत्सव का आयोजन होता है। उन्होंने बताया कि देवउठनी एकादशी का दिन हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माना गया है। देवउठनी एकादशी से भगवान विष्णु योग निद्रा से जागते हैं।

चोरी करने वाले गिरोह का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस सीआईए स्टाफ -2 भिवानी ने बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने घर का ताला तोड़कर आभूषण व नकदी चोरी करने के मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सोने व चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गांव नौरंगाबाद निवासी महिला द्वारा थाना सदर भिवानी में शिकायत दर्ज करवाई गई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह अपने बच्चों सहित रिश्तेदारों के घर गई हुई थी। एक जनवरी को पड़ोसियों द्वारा फोन पर सूचना दी गई कि उनके घर के ताले टूटे हुए हैं। जब वह घर पहुंची तो पाया कि मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ था तथा अज्ञात चोर घर से सोने-चांदी के आभूषण व नकदी चोरी कर ले गए थे। सीआईए स्टाफ टू भिवानी के मुख्य सिपाही ओमप्रकाश की अगुवाई में टीम ने चोरी का सामान खरीदने के मामले में दूसरे आरोपी को तोशाम बाईपास, दिनोद रोड, भिवानी से गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान कमल सिंह निवासी पुराना बस स्टैंड, भिवानी के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने आरोपी के कब्जे से चोरी के खरीदे गए दो जोड़ी चांदी के पाजेब तथा जोड़ी सोने के टॉप्स बरामद किए।

■ आरोपी के कब्जे से चोरी के खरीदे गए दो जोड़ी पाजेब तथा एक जोड़ी सोने के टॉप्स बरामद किए

पारा पहुंचा 4 डिग्री सेल्सियस, ठंड से जनजीवन प्रभावित

दूसरे दिन धुंध की तनी चादर, वाहनों की गति पर लगा ब्रेक

■ दृश्यता घट कर 10 मीटर से भी कम रह गई। वाहन रेंग रेंग कर चले

हरिभूमि न्यूज ⏭| भिवानी

रविवार को भी धुंध गहरी चादर तनी रही। दृश्यता घट कर 10 मीटर से भी कम रह गई।धुंध की गहनता के चलते वाहन रेंग रेंग कर चले। वाहन चालकों को गंतव्य तक दो से ढाई गुणा तक लगा। इससे वाहन चालको आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ा। दूसरी तरफ पारा एकदम चार डिग्री सेल्सियस पर पहुंचने की वजह से कड़ाके की ठंड की वजह से जन जीवन पूरी तरह से प्रभावित हो गया। लोगों ने आग के सहारे बैठ कर अपने आप को ठंड से बचाया। दूसरी तरफ इस मौसम की धुंध से फसलों के लिए जबरदस्त फायदेमंद मानी जा रही है,क्योंकि अब नमी बढ़ने फसलों में फ़ुटाव बढ़ेगा और उसके बाद फसलों की औसतन पैदावार में बढ़ोतरी होगी। जिस वजह किसानों के चेहरे खिल उठे। सब्जी की फसलों को छोड़कर बाकी रबी की फसलों में ठंड का फायदा होगा। उल्लेखनीय है कि सुबह जब लोग सोकर उठे तो उस वक्त धुधं की चादर तनी हुई थी। धीमी गति से हवा चल रही थी। जिस वजह से पारा लगातार उपर नीचे गोते लगा रहा था। सुबह पांच बजे पारा 4 डिग्री सेल्सियस रहा। जिसके चलते लोगों की कंपकपी छूटी। कड़ाके की ठंड की वजह से लोगों की दिनचर्या देरी से शुरू हुई। करीब नौ बजे के आसपास हवा ने थोड़ी सी गति पकड़ी तो ठंड भी बढी। साथ में धुंध की चादर भी फटनी शुरू हो गई। करीब 11 बजे के बाद ही सूर्यदेव के दर्शन हुए। कई देर तक सूर्यदेव धुंध के बादलों के बीच आंख मिचौली का खेल खेलते रहे। दोपहर बाद ही चटक धूप खिली। धूप खिलने के बाद ही लोगों को ठंड से छुटकारा मिल पाया। उसके बाद शाम ढली तो फिर से कड़ाके की ठंड ने जकड़ना आरंभ कर दिया। कड़ाके की ठंड की वजह से फिर से लोगों की कंपकपी छूटनी शुरू हो गई।

फसलों में होगा फायदा

रविवार को भी धुंध की चादर तनी है। इसका सबसे ज्यादा फायदा रबी की फसलों में होगा। इस वक्त इन फसलों में सिंचाई की जरूरत थी। वह कुछ हद तक पूरी हो जाएगी। फसलों में फ़ुटाव बढ़ेगा ओर औसतन पैदावार में बढ़ोतर होगी। क्योंकि रबी फसलों में ज्यादा ठंड होने से फुटाव बढता है। अगर ज्यादा फुटाव होगा और बढ़ेगा तो उस फसल की औसतन पैदावार में खासी बढौतरी होगी। किसान फसलों के लिए धुंध व कड़ाके की ठंड को फायदेमंद माने जा रहे है।

बिना लाइसेंस अवैध हथियार सहित एक आरोपी को किया गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस अधीक्षक भिवानी सुमित कुमार द्वारा जिला पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जिले में बिना लाइसेंस अवैध हथियार रखने व घूमने वाले आरोपियों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त एवं प्रभावी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इन्हीं निर्देशों की पालना में डिटेक्टिव स्टाफ लोहारू ने अवैध हथियार रखने के एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

डिटेक्टिव स्टाफ लोहारू के मुख्य सिपाही प्रमोद कुमार अपनी टीम के साथ गश्त व पड़ताल ड्यूटी के दौरान गांव रोढा के बस अड्डा क्षेत्र में मौजूद थे। इसी दौरान पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति पोल्ट्री फार्म के सामने स्थित बंद दुकान में आग जलाकर बैठा हुआ है और कहीं जाने की फिराक में है, जिसके पास बिना लाइसेंस का अवैध हथियार मौजूद है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तत्परता से बताए गए स्थान पर दबिश दी और एक व्यक्ति को अवैध हथियार सहित काबू किया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक देसी कट्टा बरामद किया गया। आरोपी की पहचान राकेश पुत्र भीम सिंह, निवासी मिरान के रूप में हुई है।

सांस्कृतिक विरासत

हरियाणा के हिसार जिले में स्थित प्राचीन राखीगढ़ी एक महत्वपूर्ण सिंधु घाटी सभ्यता का स्थल है। यह भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा हड़प्पा स्थल है। इसे अब तक के सबसे बड़े ज्ञात नगरों में से एक माना जाता है, जहाँ प्राक-हड़प्पा और परिपक्व हड़प्पा काल के प्रमाण मिलते हैं। इससे यह प्राचीन भारतीय सभ्यताओं की समझ के लिए महत्वपूर्ण है और इसे एक प्रतिष्ठित पुरातात्विक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

पारिवारिक संबंधों की सुदृढ़ नींव है पर्व 'संकरात'

मकर संक्रांति का पर्व हरियाणा ही नहीं अपितु समस्त भारत में विभिन्न रूपों तथा नामों से मनाया जाता है। हरियाणा में इस अवसर पर ब्रह्म मुहूर्त में तीर्थ स्नान कर तिल-गुड़, तेल, आटा तथा रूई आदि दान करने का महत्व है जिससे पुण्य की प्राप्ति होती है। लोक मान्यता के अनुसार स्नान-दान से संक्रांति काल का दु:प्रभाव नष्ट हो जाता है। पहले समय में हरियाणा में इस दिन सभी स्त्री-पुरुष, बाल-अबाल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करते थे। जो सबसे पहले नहाने का सौभाग्य प्राप्त करता है, उसे 'परबी लूट' लेने का श्रेय मिलता है।

पर्व

डा. रमाकांता

बुजुर्गों के मनाने के लिए जाते समय महिलाएं वस्त्र, मिठाई, फलादि लेकर जाती हैं। जिस पुरुष अथवा महिला को मान-सम्मान देना होता है, उसे आदरपूर्वक चारपाई-कुर्सी पर बिठाकर, पांव छूकर सारा सामान, मान राशि सहित सौंप दिया जाता है। उसे बदले में बुजुर्ग से ढेर सारे आशीर्वाद मिलते हैं। परिवार के सभी सदस्य मिलकर भोजन तथा मीठे व्यंजनों का आनन्द लेते हैं।

हरियाणा प्रदेश को पर्व-व्रतों का प्रदेश होने का भी गौरव प्राप्त है। यहां त्योहारों को प्रदेश की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर का सम्मान प्राप्त है। सप्ताह के सातों दिन पर्व अथवा व्रत के रूप में मनाए जाते हैं। एक महीने में कृष्ण पक्ष तथा शुक्ल पक्ष, दो एकादशी, एक पूर्णिमा, एक अमावस्या व्रत होते हुए भी यहां पर्व तथा व्रतों की लम्बी श्रृंखला है, जिनमें कुछ पर्व ऋतु प्रधान हैं तथा कुछ ऋतु परिवर्तन पर आयोजित किए जाते हैं। ऋतुओं में सामण-फागण, तीज, होली तथा दुलेहन्डी प्रमुख हैं। इसी प्रकार ऋतु परिवर्तन के आधार पर मनाए जाने वाले पर्वों में बसन्त पंचमी तथा मकर संक्रांति (संकरात) विशेष रूप से जनमानस में मनाए जाते हैं। हरियाणा प्रदेश में मकर संक्रांति को स्नान-दान, पूजा तथा अर्चना करने के रूप में मनाया जाता है। संक्रांति का अर्थ है एक राशि का दूसरी राशि में प्रवेश करना। यह एक ज्योतिषीय आधारित भूगोलीय परिवर्तन होता है जिसका प्रभाव पर्यावरण पर भी पड़ता है। पर्यावरण तथा प्राकृतिक परिवर्तन का प्रभाव जनमानस के जीवन पर पड़ना भी स्वाभाविक है। इस स्थिति को सन्धि अथवा संक्रांतिकाल कहा जाता है। सूर्य, पृथ्वी लोक का प्रत्यक्ष देवता माना जाता है। छह मास तक सूर्य उत्तरायण में तथा छह मास दक्षिणायन में होता है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण में मकर राशि में आ जाता है। इसे पृथ्वी पर लोकमान्यता के अनुसार सूर्यसंक्रमण कहा जाता है। सूर्य की गतिनिर्धारित है इसलिए इनकी तिथियां भी निश्चित होती हैं। केवल लीप वर्ष में एक दिन का अन्तर पड़ जाता है।

मकर संक्रांति के दिन को पुराणों में महत्वपूर्ण माना गया है। इस समय देह त्यागने पर मोक्ष की प्राप्ति होती है। महाभारत में भीष्म पितामह ने शरशय्या पर उत्तरायण की कई दिनों तक की प्रतीक्षा की थी तथा उत्तरायण में ही इच्छा-मृत्यु प्राप्त की थी। 'संकरात' पर्व हरियाणा प्रदेश की लोक संस्कृति की ऐसी धरोहर है जो भविष्य में कभी लुप्त नहीं होगी। समय के कालचक्र का कई पारिवारिक तथा सामाजिक संस्कार ग्रास बन गए किन्तु मकर संक्रान्ति पर हरियाणा के प्रायः सभी वर्गों में घर-परिवार के बड़े-बुजुर्गों को मनाने अर्थात मान-सम्मान देने की पीढ़ी-दर-पीढ़ी परम्परा आज भी जीवित है। हरियाणा प्रदेश के पर्वोत्सवों की यह विशेषता है कि प्रत्येक त्योहार किसी न किसी मानवीय, पशु जीवों, देवी-देवताओं से संबंध रखता है। उदाहरण के लिए सावन बहू-बेटी के मान के लिए, 'देवोठनीग्यास' देवों के जागने, 'तुलसी विवाह', वनस्पति सम्मान, 'गोवर्धन', 'गोपाष्टमी', गऊ संवर्धन के लिए, 'रक्षाबंधन' भाई-बहन के लिए, होली के लिए, पिता-पुत्र के संबंधों, गूंगा नवमी, सर्पों की पूजा इत्यादि निश्चित हैं। इसी श्रृंखला में संकरात का महत्त्व और भी बढ़ जाता है।

इस पर्व का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि प्राचीन संयुक्त परिवार के दर्शन इनके निर्वहन में हो जाते हैं। परिवार में छोटे-बड़े की गरिमा का पूरा ध्यान रखा जाता है। एक दादा की वंशावली में 'प्रोटोकोल' का पूरा ध्यान रखकर यह पर्व मनाया जाता है। जैसे दादसरा, दादस, तायसरा, तायस, पित्तस, मौसस, फूफस आदि। यह पर्व सारे परिवार के सदस्यों को एक सूत्र में बांधने की परम्परा को दर्शाता है। दूसरा लाभ यह भी होता है कि यदि परिवार में किसी प्रकार का मन-मुटाव भी हो तो वह भी एक ही झटके में दूर हो जाता है। सभी इकट्ठे होकर हर्षोल्लास से संकरात मनाते हैं। बुजुर्गों के मनाने के लिए जाते समय महिलाएं वस्त्र, मिठाई, फलादि लेकर जाती हैं। जिस पुरुष अथवा महिला को मान-सम्मान देना होता है, उसे आदरपूर्वक चारपाई-कुर्सी पर बिठाकर, पांव छूकर सारा सामान, मान राशि सहित सौंप दिया जाता है। उसे बदले में बुजुर्ग से ढेर सारे आशीर्वाद मिलते हैं। परिवार के सभी सदस्य मिलकर भोजन तथा मीठे व्यंजनों का आनन्द लेते हैं।

मकर संक्रांति का पर्व हरियाणा ही नहीं अपितु समस्त भारत में विभिन्न रूपों तथा नामों से मनाया जाता है। हरियाणा में इस अवसर पर ब्रह्म मुहूर्त में तीर्थ स्नान कर तिल-गुड़, तेल, आटा तथा रूई आदि दान करने का महत्व है जिससे पुण्य की प्राप्ति होती है। लोक मान्यता के अनुसार स्नान-दान से संक्रांति काल का दुःप्रभाव नष्ट हो जाता है। पहले समय में हरियाणा में इस दिन सभी स्त्री-पुरुष, बाल-अबाल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करते थे। जो सबसे पहले नहाने का सौभाग्य प्राप्त करता है, उसे 'परबी लूट' लेने का श्रेय मिलता है। स्नान गांव के तालाब अथवा नदी या कुएं पर किया जाता था क्योंकि सबका तीर्थ स्नान करना संभव नहीं होता था। इसके बाद सभी युवा मिलकर गांव की गलियों तथा मैदानों की सफाई करते थे तथा कूड़ा-कर्कट (घास-फूस लकड़ी) आदि एक स्थान पर एकत्रित कर देते थे। उस कूड़े को जला कर सभी इर्द-गिर्द बैठकर आग सेंकते थे तथा ठंड कम करते थे। हमें अपने पूर्वजों पर गर्व होता है कि उन्होंने प्रत्येक पर्व के आयोजन के पीछे स्वस्थ और पर्यावरण की शुद्धि का विचार पहले रखा। संभवतः संकरात पर सफाई करने की योजना से प्रभावित होकर ही वर्तमान में स्कूलों व कॉलेजों में एनएसएस स्कीम चालू की गई होगी। गांव की सामूहिक सफाई, एक ही दिन, सबके द्वारा करने का इतना सटीक व सुन्दर उदाहरण किसी अन्य संस्कृति में मिलना संभवतः दुर्लभ है। संक्रांत के दिन एक पंथ दो काज सिद्ध होते हैं। एक तो सारे गाँव की सफाई, श्रम की बचत, दूसरा सामुदायिक एकता तथा सुदृढ़ भाईचारे की अभिव्यक्ति। इसके पश्चात् सब मिलकर गुड़-तिल का बना मिष्ठान ग्रहण करते हैं तथा सबमें बांटते हैं। आज भी यह प्रथा कहीं-कहीं प्रचलित है। इस दिन महिलाएं स्नानादि से निवृत्त होकर पीपल, बड़ तथा तुलसी की पूजा करती हैं तथा उनमें सम्बन्धित भजन तथा गीत गाती हैं। बड़ को अक्षय सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। सावित्री ने भी अपने पति के जीवनदान के लिए बड़-पूजन किया था। एक गीत इस प्रकार गाया जाता है -

तैं चैड़ा चिकणा, तैं विरमा का पूत
तेरी डाली सींच के सदा पावैं हम सुख

इस दिन महिलाएं घर में बढ़िया स्वादिष्ट भोजन बनाकर ब्राह्मणों को दान करती हैं। कभी-कभी भोज्य सामग्री जिसे जनभाषा में 'सिद्धा' कहा जाता है, मन्दिरों अथवा ब्राह्मणों को दान किया जाता है। इस दिन डेरों तथा मंदिरों में भंडारे भी लगाए जाते हैं जिसमें खिचड़ी का भोग लगाकर प्रसाद बांटा जाता है। इस दिन खिचड़ी कबनाने के सन्दर्भ में त्रेतायुग की एक घटना प्रासंगिक है जो आज भी जनमानस में कही सुनी जाती है। इस घटना का सम्बन्ध गुरु गोरखनाथ से है।

पौराणिक कथा में है वर्णन

गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) गोरखनाथ की तपस्थली है। एक पौराणिक कथा के अनुसार त्रेतायुग में गोरखनाथ भ्रमण करते-करते हिमाचल प्रदेश के 'ज्वालाजी' स्थान पर गए। वहां उन्हें महामाया ज्वालाजी ने भोजन पर आमंत्रित किया, किन्तु गोरखनाथ ने मांसाहार ग्रहण करने से इनकार कर दिया। उन्होंने ज्वालाजी को आग जलाकर तैयार रहने को कहा तथा स्वयं भिक्षा लेकर शीघ्र लौटने की कहकर भिक्षाटन हेतु चले गए। वे अनेक तीर्थों पर गए और अन्त में इरावती नदी के किनारे एक रमणीय स्थान पर एकान्त में तपस्या में लीन हो गए। यह वही स्थान है जहां आज गोरखपुर है। गोरखनाथ फिर कभी वापस ज्वालाजी नहीं गए। गोरखनाथ वहीं सरोवर तट पर एक आसन पर धूना लगाकर बैठ गए। गोरखनाथ की तपःस्थली के आस-पास की जनता में शीघ्र ही यह बात फैल गई कि एक तपस्वी खिचड़ी की भिक्षा लेने हेतु तपोवन में आए हुए हैं। सभी उनके भिक्षा पात्र (खप्पर) में खिचड़ी डालने लगे तथा दर्शन करने लगे। लोगों को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि असंख्य लोगों द्वारा खप्पर में खिचड़ी डालने पर भी खप्पर सदैव खाली रहता। जनता यह जान चुकी थी कि तपस्वी कोई साधारण पुरुष नहीं अपितु कोई चमत्कारी, सिद्ध व दिव्य पुरुष हैं। एक दिन गोरखनाथ ने स्वयं अपने हाथों से खिचड़ी बनाई तथा प्रसाद रूप में जनता को बांटने लगे। असंख्य लोग उस प्रसाद को ग्रहण करते किन्तु खप्पर फिर भी भरा ही रहा। यह चमत्कार मकर संक्रांति को हुआ। यह उपक्रम निरन्तर चालू रहा तथा आगे चल कर इस दिन विशेष मेला भी भरने लगा। गोरखनाथ ने जनता को इच्छानुसार बोरियाँ भरकर खिचड़ी ले जाने को कहा। खप्पर से असंख्य लोग खिचड़ी ले गए किन्तु खप्पर यथावत भरा ही रहा। आज भी गोरखपुर में उसी परम्परा का निर्वहन हो रहा है तथा प्रति वर्ष मकर संक्रांति को यहां पर भव्य खिचड़ी (खिच्चड़) मेला आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर भक्तजन दाल, चावल की खिचड़ी का चढ़ावा चढ़ाते हैं तथा अपनी मन्नत पूरी होने की कामना करते हैं। निसंदेह आस्थावान व्यक्तियों की सभी कामनाएं इस धूने पर मत्था टेकने से पूर्ण होती हैं। इस स्थान को धर्मनाथ पंथ (बारह पंथ में एक पंथ) का 'मथ्या टेक' भी कहा जाता है।

संकरात पर अपने घर के बुजुर्गों को 'मनाने के लिए' जाते समय महिलाएं जकड़ी गीत गाती हुई जाती हैं। उदाहरण स्वरूप जकड़ी गीत दृष्टव्य है-

सास मनै राजी बोलिए, राजी बोलिए
मां-बाप छोड़ कै आई
बहु ए तनै राजी बोलूं ना, राजी बोलूं ना
मेरी धुर की तील ना ल्याई
रे बहु जगाई जागी कोन्या आपे चाकी झोई
पीस छाण कै चढ़ी चुबारे, फिर बी सूती पाई।

गीत | त्रिलोक चंद फतेहपुरी

अनेकता में एकता

अनेकता मैं एकता, या देख हिंदुस्तान मैं ।
जात धर्म रंग रूप सभ, मिलै एक मिजान मैं ।।

हर प्रदेश की भाषा न्यारी कई ढाळ की बोली सै ।
म्हारी हिंदी सभ भाषा की बण कै रही बिचौली सै ।
गाम शहरां की हमजोली सै, हरदम रहती ध्यान मैं ।
अनेकता मैं एकता, या देख हिंदुस्तान मैं ।।

तीज -त्यौहार बरत -बड़ूले सभ के न्यारे न्यारे
कला संस्कृति रीति -रिवाज फैशन के अलग नजारे
एक दूजे के बने सहारे सुख दुःख के दरमियान मैं ।
अनेकता मैं एकता, या देख हिंदुस्तान मैं ।।

अपणे-अपणे खाण-पाण का लोग लेय चटखारा
मकई बाजरा लिट्टी चोखा इडली डोसा प्यारा
चावल खावै देश यो सारा, मजा मिले मिष्ठान मैं ।
अनेकता में एकता , या देख हिंदुस्तान में।।

कश्मीर से कन्याकुमारी चौपाटी से गौहाटी
वसुधैव कुटुंबकम की निभा रहे परिपाटी
भारत माता की माटी पावन पुनीत विधान मैं ।
अनेकता मैं एकता या देख हिंदुस्तान मैं ।
जात धर्म रंग रूप सभ मिले एक मिजान मैं ।।

लघुकथा | जयदेव राठी

बुजुर्ग की सीख

गाम मैं एक बुजुर्ग आदमी रहै था। उसका नाम था रामसिंह। बुजुर्ग कै धौरै घणी जमीन थी, उनका एक ही बेटा था - धर्म सिंह।

धर्म सिंह बड़ा तेज था। पढ़ाई-लिखाई में होशियार तो था ए, पर उसनै घर के काम-धंधे का कुछ ना आवै था। ना उसनै खेत मै आणा जाणा पडा करता, ना ही उसनै न्यू बेरा था कि खेती क्यूकर करां करै सैं ।

एक दिन रामसिंह नै धर्म सिंह तै कहया, 'बेटा, तू पढ़-लिख ल्यो तो बोहत अच्छी बात सै, पर जमीन तै जुड़ना भी जरूरी सै। चल मेरे गेल्यां खेतां मैं।'

धर्म सिंह नै मन मसोस कै हां कर दी। रामसिंह उसनै खेतां में ले ग्या सारा दैन उन्नै धर्म सिंह ताईं मिट्टी, पाणी, फसल, अर बीज के बारै मै बताया।

धर्म सिंह नै सोच्या, 'यो सब तो बोहत आसान काम सै।' पर जब उसनै खुद हळ चलाण की कोशिश करी, तो उसकै हाथ मै छाळे पड़ गे।

रामसिंह मुस्कराया अर बोल्या, 'बेटा, किताबी ज्ञान अर धरती का ज्ञान दोन्नु जरूरी होवैं सैं। एक बिना दूसरै कै अधूरा सै।

उस दैन तै धर्म सिंह रोज थोड़ा-थोड़ा खेतां में काम करण लाग ग्या । उसनै समझ आ गी के असली ताकत तो मेहनत अर धरती तै जुड़े रहण मै सै।

आज धर्म सिंह एक बड़ा अफसर सै, पर उसकै घर मैं उसकी अपणी छोटी-सी बगिया सै जित वो अपणे हाथ्यां तै सब्जी उगावै सै। बाबा की सीख उसनै हमेशा याद रहवै सै।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

विरासत | यहाँ मिले 'हाकड़ा वेयर' संस्कृति के अवशेष इसे सरस्वती घाटी की सभ्यता से सीधे जोड़ते हैं

करवट लेता इतिहास है हिसार जिले का 'राखीगढ़ी'

सभ्यता | दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वास्तव में राखीगढ़ी के टीले महज मिट्टी के ढेर नहीं हैं; ये हमारे स्वाभिमान के स्तंभ हैं। यह महोत्सव और यहाँ चल रहा शोध कार्य आने वाली पीढ़ियों को यह याद दिलाता रहेगा कि सभ्यता का सूर्य पश्चिम से नहीं, बल्कि भारत की इसी धरती से उदित हुआ था। डॉ. चंद्र त्रिखा के शब्दों में कहें तो, विसंगतियों से भरे इस उपमहाद्वीप में, राखीगढ़ी ने हमें हमारा खोया हुआ गौरव लौटा दिया है।

हमें स्कूलों में यही पढ़ाया गया कि हमारी प्राचीनता के प्रमाण 'हड़प्पा' और 'मोहनजोदड़ो' विभाजन के बाद पाकिस्तान के हिस्से में चले गए। भारतीयों के मन में एक कसक थी कि सिंधु घाटी सभ्यता की धड़कन सीमा के उस पार है, लेकिन हरियाणा के हिसार जिले के 'राखीगढ़ी' गाँव ने इस धारणा को अब पूरी तरह से बदल दिया है। माना जा रहा है कि हड़प्पा सभ्यता का शरीर भले ही पाकिस्तान में हो, लेकिन उसकी 'आत्मा' यानि उसकी 'राजधानी' हरियाणा की माटी में दबी हुई है।

पुरातत्व की दुनिया में राखीगढ़ी ने एक नई अवधारणा स्थापित कर दी है। डेक्कन कॉलेज, पुणे के विख्यात पुरातत्व विशेषज्ञ प्रो. वसंत शिंदे और हरियाणा पुरातत्व विभाग के संयुक्त शोध ने यह सिद्ध कर दिया है कि यह कोई सामान्य बस्ती नहीं थी। जहाँ हम हड़प्पा और मोहनजोदड़ो का गुणगान करते थे, वहीं राखीगढ़ी का फैलाव लगभग 5500 हेक्टेयर क्षेत्र में था। यह आँकड़ा इसे सिंधु-सरस्वती सभ्यता का सबसे विशाल नगर घोषित करता है। समय के पहिये को पीछे घुमाएं, तो कार्बन डेटिंग बताती है कि आरजीआर-6 से प्राप्त अवशेष 6500 वर्ष पुराने हैं। इसका मतलब यह हुआ कि जब मिस्र और मेसोपोटामिया की सभ्यताएं शैशवावस्था में थीं, तब हरियाणा के मैदानों में एक उन्नत समाज सांस ले रहा था। राखीगढ़ी की खुदाई में मिले साक्ष्य हमें उस दौर की 'इंजीनियरिंग' और 'लग्जरी' से रूबरू कराते हैं। यहाँ नियोजित सड़कें और गलियाँ मिली हैं, जिनकी चौड़ाई मुख्य मार्गों में अधिक तथा आवासीय क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम थी। ये राजस्थान के कालीबंगा की सड़कों से भी अधिक चौड़ी हैं। यह इस बात का सबूत है कि यहाँ व्यापार और आवागमन भारी मात्रा में होता था। खुदाई में यहाँ तांबे के औजार,

टेराकोटा की प्रतिमाएँ, मनके तथा सोने–चाँदी के आभूषण प्राप्त हुए हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि राखीगढ़ी एक समृद्ध व्यापारिक केंद्र था। यहाँ के लोग कला-प्रेमी थे और उनका जीवन स्तर बहुत ऊंचा था। उपलब्ध साक्ष्य यह दर्शाते हैं कि यहाँ आभूषणों का उपयोग और संभवतः निर्माण होता था, जबकि धातु-प्रसंस्करण के कुछ चरण अन्य हड़प्पा केंद्रों से जुड़े रहे होंगे। राखीगढ़ी का सबसे रोमांचक पहलू वह है, जो जमीन के नीचे सोया हुआ है। यहाँ कुल 9 टीले हैं। खुदाई के दौरान विशेषकर आरजीआर-7 में ऐसे कंकाल मिले हैं जो हमारे पूर्वजों की कहानी सुनाते हैं। सबसे अद्भुत खोज लकड़ी के ताबूत में मिला एक कंकाल है। 5000 साल पहले लकड़ी के ताबूत में अंतिम संस्कार करना एक विशिष्ट प्रथा थी, जो संभवतः किसी कुलीन या महत्वपूर्ण व्यक्ति के लिए अपनाई जाती होगी। इन कब्रों पर छतरियां बनाने की प्रथा के भी संकेत मिले हैं। कंकालों का सिर उत्तर दिशा की ओर रखा गया था और उनके पास खाने-पीने के बर्तन रखे गए थे, जो यह बताते हैं कि वे लोग मृत्यु के बाद के जीवन में भी विश्वास रखते थे। अब इन अवशेषों का डीएनए विश्लेषण यह राज खोलेगा कि 5500 वर्ष पूर्व लोगों की शारीरिक संरचना और खान-पान कैसा होता होगा।

इतिहासकार इस बात पर सहमत हैं कि यह शहर अब विलुप्त हो चुकी सरस्वती, दृषद्वती और उसकी सहायक नदियों के प्रवाह क्षेत्र में बसा था। यहाँ मिले 'हाकड़ा वेयर' संस्कृति के अवशेष इसे सरस्वती घाटी की सभ्यता से सीधे जोड़ते हैं। यहाँ पानी की निकासी के लिए पक्की नालियां और सोख्ता गड्ढे मिले हैं, जो बताते हैं कि वे जल-संरक्षण और स्वच्छता के प्रति कितने जागरूक थे। मई 2012 में जब 'ग्लोबल हेरिटेज फंड' ने राखीगढ़ी को एशिया के उन 10 विरासत स्थलों में शामिल किया, जिनके नष्ट होने का खतरा था, तो यह एक चेतावनी थी। लेकिन अब स्थिति बदल रही है। हाल ही में आयोजित 'राखीगढ़ी महोत्सव' में लाखों लोगों ने शिरकत की और अपनी आँखों से 5000 साल पुरानी दीवारों को देखा। हरियाणा सरकार ने इस स्थल के संरक्षण और विकास के लिए 500 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक अनुदान घोषित किया है। यहाँ एक विश्व स्तरीय संग्रहालय और शोध केंद्र बन रहा है, जिसकी देखरेख का दायित्व हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी को सौंपा गया है।

नाकामियों से डरना नहीं चाहिए : सुशील दहिया

कलाकार | डॉ. तबस्सुम जहां

पिंक फिल्म के रंजीत शेरावत, 'रॉक स्टार' के कॉप, 'नो वन किल्ड जैसिका' के आरडी सर, 'थप्पड़' फिल्मके रोमेश सबरवाल, 'बैंड बाजा बारात' फिल्म के ब्रिगेडियर, 'तलवार' के लॉयर, 'मुखबिर' फिल्म के हिदायत अली, 'रेड 2' के चीफ़ मिनिस्टर व 'गोल्ड' के बलदेव सिंह का प्रमुख किरदार निभाने वाले सुशील दहिया अभिनय की दुनिया में अपनी सशक्त पहचान बना चुके हैं।

इन्होंने बॉलीवुड में अमिताभ बच्चन, इरफ़ान खान, सैफ अली खान, रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, रणदीप हुड्डा, प्रकाश राज, विद्या बालन, अनुष्का शर्मा, जैसे नामी कलाकारों के साथ काम करके अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। बता दें कि अभिनेता सुशील दहिया हरियाणा की पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखने वाली उन गिनी-चुनी शख्सियतों में से एक हैं जिन्होंने बॉलीवुड में ही नहीं, बल्कि विदेशी फिल्मों में भी नाम कमाया है। अपनी ग़ज़ब की अंग्रेज़ी बोलचाल की शैली और अभिनय के कारण इनको हरियाणा के 'सईद जाफ़री' के नाम से भी जाना जाता है। सुशील दहिया का अंतरराष्ट्रीय सिनेमा के स्तर तक पहुंचने का सफर बहुत अच्छा रहा। इसमें उन्हें कुछ चैलेंज ज़रूर आए पर जल्द ही उन्होंने उन पर क़ाबू पा लिया। हालांकि, जिस दौर में वह अभिनय की दुनिया में आए, उस समय हरियाणा में इतना काम नहीं हो रहा था। चूँकि उनकी शुरुआत दिल्ली में रंगमंच से हुई थी, इसलिए

हरियाणा में काम की कमी से उन पर ज़्यादा फ़र्क़ नहीं पड़ा। सुशील ने नेशनल व इंटरनेशनल दोनों स्तर पर काम किया है और अपनी बुलंदी के झंडे भी गाड़े हैं। इनका मानना है कि दोनों में ही मूलभूत अंतर है। अंतरराष्ट्रीय प्रोडक्शन वेल्यूज़ बिल्कुल अलग हैं। वहां उच्च दर्जे की प्रोफेशनलिज्म मिलती है। कोई बड़ा छोटा एक्टर नहीं, बल्कि सभी को तक़रीबन एक समान सम्मान मिलता है। इसके विपरीत राष्ट्रीय लेवल में "लीड कास्ट" का वातावरण होता है। हरियाणवी सिनेमा जगत के संदर्भ में ये मानते हैं कि हरियाणा में बेशक सिनेमा की ज़मीन तैयार हो गई है लेकिन निर्माता और दर्शकों की कमी के मामले में यहाँ काफ़ी काम किए जाने की ज़रूरत है। दर्शकों को अगर अच्छा सिनेमा देखने को मिलेगा तो वो इससे जुड़ जाएंगे। अब शायद हरियाणा प्रोड्यूसर्स को ऐतिहासिक कहानियों से आगे सामाजिक, आधुनिक परिस्थितियों पर सोच-विचार करना चाहिए। सुशील दहिया ने कई विदेशी फिल्मों में काम किया है लेकिन वह अपनी पृष्ठभूमि के लिए भी काम करना चाहते हैं। इसके लिए वह तीन साल से कोशिश कर रहे हैं। स्वयं सुशील दहिया के शब्दों में- 'मैं चाहता हूँ कि हरियाणा में काम मिले। कोई यूँ कह के टाल देता है कि महंगे होंगे, कोई यूँ कहकर कि इतना ज़्यादा अनुभव नहीं चाहिए। मगर बात कोई नहीं करता और मुझसे डायरेक्ट बात किए बगैर ही दूर रहतें हैं।' कैरियर के शुरुआती दौर के संदर्भ में उन्होंने बताया कि उनकी सबसे ज्यादा मदद उनके ख़ुद के अनुशासन ने की। इसके अलावा कई अच्छे लोगों ने भरपूर मदद की, पर किसी व्यक्ति विशेष का नाम लेना उचित नहीं हैं। सबसे ख़ास बात यह है कि अभिनय के क्षेत्र में इतना अच्छा करने पर भी अभिनय का इन्होंने कोई ख़ास प्रशिक्षण नहीं लिया। बस स्कूल और कॉलेज में जो सीखा, वही उनके काम आ रहा है। इसलिए वह अनुभव को ही अपने अभिनय के प्रशिक्षण के तौर पर देखते हैं। यही वजह है कि बॉलीवुड में इनके पास काम की कोई कमी नहीं है और इन्होंने आने वाले समय में भी कई अच्छ-अच्छे प्रोजेक्ट साइन किए हैं। इसके बावजूद सुशील हरियाणवी सिनेमा के प्रति अपने जज़्बे को बरकरार रखते हुए उसमें भी एक अभिनेता के रूप में काम करना चाहते हैं। बॉलीवुड में अभिनय के जो सशक्त हस्ताक्षर हैं, उनमें अधिकांश के साथ इनको काम करने का अवसर मिला है।

हरियाणा में सिनेमा के क्षेत्र में आगामी पीढ़ी को वह संदेश देते हैं कि उन्हें मेहनत से नहीं डरना चाहिए और न ही अपनी नाकामियों से। जब कामयाबी मिल जाए तो अपने पैर ज़मीन पर ही रखने चाहिए। सदा सैट पर अपनी पूरी तैयारी के साथ जाना चाहिए। सैट पर सभी की इज़्ज़त करना चाहिए और भाव नहीं खाना चाहिए।

खबर संक्षेप

मंडी अटेली। ग्रामसभा के लिए सरपंचों को दिशा-निर्देश देते हुए बीडीपीओ।

बीडीपीओ ने सरपंचों को दिए निर्देश

मंडी अटेली। अटेली खंड के गांवों में ग्रामसभा की बैठकों को प्रभावी ढंग से आयोजित कराने के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों के सरपंचों की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी नवदीप ने की। बैठक में आगामी ग्राम सभाओं की तिथियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई और सरपंचों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बीडीपीओ नवदीप ने जानकारी दी कि अटेली खंड की सभी ग्राम पंचायतों में 17, 18, 24, 25, 31 जनवरी तथा एक फरवरी को ग्रामसभा की बैठकें आयोजित की जाएगी।

कनीना। डॉ. मुरली मनोहर जोशी के साथ प्रवक्ता सचिन कुमार।

प्रवक्ता सचिन कुमार ने फिर बढ़ाया क्षेत्र का मान

कनीना। नई दिल्ली स्थित नेपाल दूतावास में विश्व हिन्दी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे हिन्दी भाषा के वैश्विक स्तर पर प्रचार प्रसार को लेकर देश के सुप्रसिद्ध विद्वानों ने अपने विचार रखे। विश्व हिन्दी परिषद व नेपाल दूतावास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सम्मेलन के मुख्य अतिथि पूर्व मानव संसाधन मंत्री मुरली मनोहर जोशी थे। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि प्रखर वक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी रहे।

■ संघ की यात्रा केवल संगठन विस्तार तक सीमित नहीं बल्कि समाज में चरित्र निर्माण अनुशासन, सेवा व राष्ट्रभक्ति की चेतना जागृत करना

संघ के इतिहास, वर्तमान सामाजिक परिवर्तनों व जन जिज्ञासाओं पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आयोजित की नागरिक गोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से सूरज स्कूल में आयोजित प्रमुख नागरिक गोष्ठी अत्यंत अनुशासित, प्रेरणादायी व विचारोत्तेजक वातावरण में सम्पन्न हुई। मुख्य वक्ता प्रांत कार्यकारिणी आमंत्रित सदस्य प्रदीप व विभाग कार्यवाह नरेश भिवानी थे। गोष्ठी को तीन सत्रों में विभाजित किया गया, जिसमें संघ के इतिहास, वर्तमान सामाजिक परिवर्तनों व जन जिज्ञासाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रथम सत्र में नरेश ने संघ की स्थापना, मूल विचारों, उद्देश्यों व राष्ट्र निर्माण में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संघ की यात्रा केवल संगठन विस्तार तक सीमित नहीं, बल्कि समाज में चरित्र निर्माण, अनुशासन, सेवा एवं राष्ट्रभक्ति की चेतना जागृत करने की रही है। स्वतंत्रता संग्राम से वर्तमान तक के सेवा कार्य, आपदा प्रबंधन, सामाजिक समरसता व सांस्कृतिक संरक्षण प्रयासों का उल्लेख करते हुए उन्होंने युवाओं से राष्ट्र कर्तव्यबोध व सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। यह वक्तव्य विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरक सिद्ध हुआ।

द्वितीय सत्र में प्रदीप ने पंच परिवर्तन पर विचार प्रकट किए, इसे कोई नारा न बताते हुए व्यावहारिक सामाजिक बदलाव की दिशा करार दिया। सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जीवनशैली, कुटुंब प्रबोधन व नागरिक कर्तव्यों जैसे पांच आयामों पर चर्चा की। उन्होंने कहा यदि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे परिवर्तन अपनाए, तो समाज व राष्ट्र में बड़े बदलाव संभव हैं। दैनिक जीवन के व्यावहारिक उदाहरण प्रस्तुत कर श्रोताओं को प्रभावित किया। तृतीय सत्र में उपस्थित जनसमूह ने पंच परिवर्तन के आयामों सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी, नागरिक कर्तव्य व परिवार प्रबोधन से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। अपने क्षेत्रों में सामाजिक कार्य, जनजागरण अभियान, सेवा गतिविधियों व सकारात्मक परिवर्तन प्रयासों पर प्रकाश डाला।

नारनौल। कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता। फोटो: हरिभूमि

वक्ताओं ने की सराहना

वक्ताओं ने इनकी सराहना की व निरंतर सक्रियता का आह्वान किया। यह सत्र प्रेरणादायक एवं संवादात्मक रहा, जिसमें श्रोताओं की प्रतिबद्धता स्पष्ट झलकी। समापन एवं प्रभाव समापन पर आयोजकों ने सभी अतिथियों, वक्ताओं व नागरिकों का आभार व्यक्त किया। बलबीर सिंह ने सभी प्रमुख नागरिकों से कहा कि वे अपने जीवन में पंच परिवर्तन उतारें व राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। संघ महेंद्रगढ़ के पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसी गोष्ठियां राष्ट्रभाव, सकारात्मक सोच व सामाजिक उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करती हैं।

वरिष्ठ नागरिक संगठन ने 90 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को किया सम्मानित

किला रोड स्थित कार्यालय साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

वरिष्ठ नागरिक संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा ने बताया कि रविवार को किला रोड स्थित कार्यालय साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में 90 वर्ष से अधिक आयु की चार महिलाओं ग्यारसी देवी मोहल्ला संघीवाड़ा, भगवती देवी बावड़ीपुर, भरपाई लहरोदा तथा मिट्ठी देवी मोहल्ला मिंया की सराय और छह पुरुषों हरिराम मोहल्ला पुरानी मण्डी, श्याम लाल मोहल्ला पीरागा, सूरजभान जांगिड़ मोहल्ला पुरानी मण्डी, श्योनाथ मोहल्ला पुरानी सराय, हनुमान दास नारनौल एवं फतेहचन्द मोहल्ला सलामपुरा को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में उन तीन वरिष्ठ नागरिकों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपनी आयु के 80 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। उनमें सेवानिवृत्त प्राचार्य जयप्रकाश कौशिक, पुरूषोत्तम आर्य और प्रभातीलाल के नाम शामिल हैं। समारोह में संगठन में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए मास्टर भागीरथ प्रसाद और सुरेश जांगिड़ को भी सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त निडी हेल्प ग्रुप के प्रधान मनीष गोगिया को समाज के लिए किए जा रहे कल्याणकारी कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि चेयरमैन बाबूलाल यादव एवं समारोह की अध्यक्ष पूर्व वरिष्ठ भूवैज्ञानिक वासुदेव यादव रहे। संगठन के प्रधान ने बताया कि 90 वर्ष से अधिक आयु के सम्मान के लिए बुजुर्गों को समाज का मार्गदर्शक हैं। हमें इनकी रहनुमाई में परिवारों में अच्छे संस्कार दिए जाएं और बुजुर्गों का यथायोग्य सम्मान किया जाए। मुख्य अतिथि मार्केट कमेटी चेयरमैन प्रधान बाबूलाल यादव ने सम्बोधन में कहा कि विशेषतौर पर ग्रामीण आंचल में युवाओं में नशे की प्रवृत्ति अधिक बढ़ती जा रही है। इसे बुजुर्गों के सहयोग से गांव-गांव जाकर संगठित होकर युवाओं का आह्वान किया जाएगा कि वे नशे से दूर रहें और एक स्वस्थ समाज के निर्माण मे सहयोग करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वासुदेव यादव ने कहा कि हमें वृद्धों का सम्मान करना चाहिए। यह समाज के लिए प्रेरणादायक और मार्गदर्शक है। इनके बिना समाज अधूरा है और यह हमारी धरोहर है। डा. कृष्णा आर्या ने एक लोकगीत के माध्यम से समाज के लिए वृद्धों का महत्व बताया। विशिष्ट अतिथि के रूप मे प्रमुख समाजसेवी अरूण कुमार नूनीवाला, मार्केट कमेटी अटेली के चेयरमैन दिनेश जैलदार भी मौजूद रहे।

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेते अतिथिगण। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस समारोह का संचालन महासचिव मुखराम सैनी ने किया। इस समारोह में संगठन के संरक्षक अजीत जैन, यादराम नम्बरदार, शिवहरि अग्रवाल, सोहनलाल चौहान, लैक्चरर एसोसिएशन पूर्व प्रधान ओपी यादव, विजय सिंह रहीश, जसवंत सिंह, बीएल सैनी, शिवलाल वर्मा, सोमप्रकाश अग्रवाल, बिशन सिंह यादव, मास्टर जयदयाल, गणेश हरित, रविन्द्र कुमार चौधरी, संगठन के पूर्व सचिव सुरेश भारद्वाज, नरसिंह दायमा, कैलाश चन्द निर्मल, रोहतास सिह लाम्बा, रामबिलास यादव, हरिद्वारीलाल वर्मा, ओमप्रकाश बत्रा, ब्रह्मप्रकाश रोहिल्ला, सरदार महेन्द्र सिंह, नरेंद्र कुमार धौलिया व बाबूलाल गोयल आदि उपस्थित रहे।

नारनौल। बैठक को संबोधित करते प्रदेश प्रभारी नेतराम एडवोकेट। फोटो: हरिभूमि

धनौंदा में हुई बसपा की जिलास्तरीय बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

बहुजन समाज पार्टी की जिला स्तरीय बैठक गांव धनौंदा में संपन्न हुई। जिसमें प्रदेश प्रभारी नेतराम एडवोकेट व स्टेट जोन प्रभारी महेंद्र सिंह जाजोरिया ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अटेली विधानसभा से प्रत्याशी रहे नेताजी अतरलाल एडवोकेट ने मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम को संबोधित किया। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान प्रमोद कटारिया ने की।

उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं व अतिथियों ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर व बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम के चित्रों पर पुष्प अर्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रदेश प्रभारी नेतराम एडवोकेट ने बहुजन समाज पार्टी की नीतियों के बारे में बताया और उपस्थित कार्यकर्ताओं से ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ने का आह्वान किया। स्टेट जोन प्रभारी महेंद्र सिंह जाजोरिया ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी ही समाज के सभी वर्गों की हितैषी पार्टी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी 15 जनवरी को बसपा सुप्रीमो मायावती के जन्मदिवस पर गुरुग्राम में आयोजित जन कल्याणकारी दिवस सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने की अपील की। नेताजी अतरलाल एडवोकेट ने प्रदेश सरकार को हर मोर्चे पर विफल और नाकारा बताते हुए कार्यकर्ताओं से इस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर गुरुग्राम जिला अध्यक्ष नेतराम बौद्ध, कपिल देव बाछौदिया, पवन धनखड़, उमेद सिंह यादव, राजवीर अगिहार, राकेश यादव, अतरपाल गौड़, प्रशांत, वीरसिंह, शेरसिंह वाल्मीकि, अतरपाल, सुरेश, राकेश यादव, पवन प्रजापत आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नांगल चौधरी। बेस्ट स्वयंसेवक को सम्मानित करते डीएसपी सुरेश कुमार।

प्रिया व विधि कुमारी बनी बेस्ट स्वयंसेवक

नांगल चौधरी। सरस्वती पब्लिक स्कूल भोजावास में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर संपन्न हो गया। समापन समारोह में ट्रैफिक विभाग के डीएसपी सुरेश कुमार व संस्था के चेयरमैन दयाराम यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य राजेश कुमार ने की। इस दौरान सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक रहे प्रिया कुमारी, विधि कुमार व नातिया को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया तथा ट्रैफिक नियमों की जागरूकता लाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के अभियान को जन जन तक पहुंचाना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य है। वहीं चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट का प्रयोग करना चाहिए। तेज गति, मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन चलाना, शराब पीकर ड्राइविंग करना और गलत साइड से ओवरटेक करना दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण हैं। डीएसपी ने विद्यार्थियों से नशाखोरी रोकने में समाज की मदद करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में ट्रैफिक एसएचओ नरेश कुमार, संयोजक सुनील यादव, कुलदीप कुमार, सुमित्रा, अमर सिंह आदि मौजूद रहे।

नांगल चौधरी। श्रीगौड़ परिषद की बैठक में विचार विमर्श करते समाज के प्रबुद्धजन। फोटो: हरिभूमि

गौड़सभा ने युवाओं की प्रतिभा निखारने की सौंपी जिम्मेदारी

नांगल चौधरी। भगवान परशुराम सदन में श्रीगौड़ सभा की वार्षिक बैठक प्रधान राधेश्याम शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें समाज के युवाओं की तकनीकी व शैक्षणिक प्रतिभा निखारने की रूपरेखा बनाई गई। इसके लिए समाज के शिक्षकों तथा अन्य सक्षम लोगों को जिम्मेवारी सौंपी गई। इस दौरान समाज में फैली दहेज प्रथा तथा नशाखोरी को मिटाने के लिए विचार विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि विप्र समाज ने हमेंशा संगठन भावना को विकसित करने में योगदान दिया है। समाज को संस्कार व शिक्षा की दिशा देकर विभिन्न कुरीतियों को मिटाने में पहल की है, जिसके चलते भारत की एकता और अखंडता मजबूत बनी है, लेकिन बीते 15 से 20 सालों से पश्चिमी देशों की संस्कृति का प्रभाव बढ़ने से संगीन अपराधों का ग्राफ बढ़ गया, युवा वर्ग नशे की तरफ अग्रसर होने लगा है।

■ एसडीएम कनिका गोयल ने गांवों का दौरा कर पंजीकरण कार्य का किया निरीक्षण

एग्री स्टैक पोर्टल पर आईडी बनाने के लिए गांवों में लगाए जा रहे विशेष कैंपः एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

एसडीएम कनिका गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा किसान हित में 18 दिसंबर 2025 से एग्री स्टैक पोर्टल की शुरुआत की गई है। इस पोर्टल के माध्यम से प्रदेश के सभी काश्तकार किसानों की एक यूनिक आईडी बनाई जा रही है, जिससे किसान अपनी भूमि से संबंधित सभी रिकॉर्ड ऑनलाइन देख सकेंगे और भविष्य में कृषि से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। एसडीएम कनिका गोयल ने गांव निम्बी, झगड़ौली, माजरा खुर्द व बवानिया गांव में जाकर एग्रीटेक कार्य का औचक निरीक्षण किया। एसडीएम ने बताया कि इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा गांव-गांव जाकर विशेष कैंप के माध्यम से किसानों की एग्री स्टैक पोर्टल पर आईडी बनाई जा रही है। प्रत्येक गांव में गठित टीम में राजस्व विभाग से एक पटवारी, कृषि विभाग से एक अधिकारी तथा एक कंप्यूटर ऑपरेटर शामिल है। उन्होंने बताया कि किसान जिस भी गांव में प्रशासन द्वारा कैंप लगाए जा रहे हैं।

महेंद्रगढ़। कैंप का निरीक्षण करती एसडीएम कनिका गोयल। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। महाराजा अजमीढ़ देव महाराज की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए।

सोने-चांदी के भाव बढ़ने पर स्वर्ण संघ ने जताई चिंता

नारनौल। स्वर्णकार सेवा संघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार लाम्बा ने शहर में स्वर्णकार समाज के लोगों से मुलाकात की। उन्होंने अजमीढ़ चौक पहुंचकर महाराजा अजमीढ़ देव महाराज की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इस उपलक्ष्य में नारनौल स्वर्णकार समाज के गणमान्यजनों ने लांबा का पगड़ी एवं फूलमालाएं पहनाकर स्वागत एवं अभिनन्दन किया। इस मौके पर लांबा ने चांदी और सोने में बहुत तेजी से भावों में बढ़ोतरी को लेकर आपसी वार्तालाप कर व्यापारिक चिंता जताई। इससे होने वाले नुकसान के लिए सरकार तक अपनी बात रखने के लिए एकजुटता होने पर भी बल दिया। इस मौके पर पूर्व नगर पार्षद दयानंद सोनी समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

महेंद्रगढ़। विधायक को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

गोसेवा हमारी संस्कृति व परंपरा का अभिन्न अंग

महेंद्रगढ़। विधायक कंवर सिंह यादव ने श्री कृष्ण बाबा गुदड़िया गोशाला माधोगढ़ में नौ लाख रुपये की लागत से निर्मित टीनशेड का रिबन काटकर विधिवत उद्घाटन किया। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि गोसेवा हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग है। गोवंश केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। गोमाता की सेवा से समाज में सकारात्मक सोच तथा मानवीय मूल्यों का विकास होता है। विधायक ने कहा कि बेसहारा एवं संरक्षित गोवंश की समुचित देखभाल, चारा, स्वच्छ पानी और सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। राज्य सरकार एवं जनप्रतिनिधि गोवंश संरक्षण और गोशालाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर प्रयासरत हैं, ताकि गोवंश को सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन मिल सके। विधायक ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी गोशालाओं के संरक्षण एवं सुविधाओं के विस्तार के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

नारनौल। कार्यक्रम में जरूरतमंदों को कम्बल वितरित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

कंबल वितरित करना सामाजिक जिम्मेदारी का जीवंत उदाहरण

नारनौल। समाजसेवा व मानवीय संवेदनाओं को सशक्त रूप देने के उद्देश्य से अग्रवाल वैश्य समाज की ओर से मकर संक्रांति के पावन अवसर पर कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कल्लूमल बगीची में आयोजित इस समारोह में मुख्यातिथि महेश गुप्ता ने अग्रवाल वैश्य समाज के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक संगठनों की ओर से इस प्रकार के सेवा कार्य प्रशासन के प्रयासों को भी मजबूती प्रदान करते हैं। मकर संक्रांति जैसे पवित्र व सामाजिक समरसता के पर्व पर जरूरतमंदों को कंबल वितरित करना न केवल मानवीय कर्तव्य है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का जीवंत उदाहरण भी है। कड़ाके की सर्दी में एक कंबल किसी के लिए केवल वस्त्र नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और आत्मविश्वास का प्रतीक होता है।

कार्यक्रम अखिल भारतीय साहित्य परिषद ने किया युवा स्वर काव्योत्सव का आयोजन

शिक्षाप्रद साहित्य समाज को देता है प्रेरणा

साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं समाज का पथ प्रदर्शकः डॉ. मनोज भारत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं होना चाहिए। साहित्य समाज के लिए प्रेरणादायक व शिक्षाप्रद होने के साथ-साथ समाज और देश के लिए पथ प्रदर्शक होना चाहिए। उक्त विचार भिवानी से पहुंचे अखिल भारतीय साहित्य परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. मनोज भारत ने सरस्वती बाल मंदिर विद्यालय में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित युवा स्वर काव्योत्सव में अध्यक्षीय उद्बोधन में कहे। कार्यक्रम संयोजक परिषद के संगठन मंत्री डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि मुख्य अतिथि राजकुमार यादव एडवोकेट ने कहा कि किसी देश व समाज को जानने के लिए उसके साहित्य का महत्व होता है। शिक्षाप्रद साहित्य समाज को प्रेरणा देता है। प्रमुख समाजसेवी मुख्य अतिथि पवन बाछौदिया ने अपना संदेश प्रेषित किया और कहा कि अखिल भारतीय साहित्य परिषद साहित्य सेवा के माध्यम से देश सेवा का कार्य कर रही है, जो सराहनीय है।

नारनौल। कार्यक्रम में मौजूद परिषद के पदाधिकारी व सदस्य। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर विपिन शर्मा, प्रो. दलजीत शास्त्री, परमानंद दीवान, रामसिंह मधुर, केसरी नंदन, टिंकू प्रधान, श्रीकांत भारद्वाज, सरोज कश्यप, सुभाष कश्यप, प्राचार्य ईश्वर यादव, अमित शर्मा, अजय शर्मा, पवन गुप्ता, नरोत्तम सोनी, भीमसेन शर्माए राकेश शर्मा, आनंद जोशी, कृष्ण कुमार शर्मा, हेमंत कुमार, धीरज भयाना, सुनील चुघ, पवन अरोड़ा, अमित शर्मा, विजय कौशिक सहित अनेक साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

अतिथियों व कवियों का किया स्वागत

कार्यक्रम में सानिध्य प्रदाता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रामनिवास मानव ने देश व विश्व की वर्तमान स्थिति से जुड़े हुए दोहे सुनाएं। परिषद के इकाई अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र भारद्वाज ने अतिथियों व कवियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में कवियित्री खुशबू जैन द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना के पश्चात युवा कवि यतिन चारण गोविंदपुरी ने घर से दूर जब जब कोई परिंदा जाता है, ऐश ओ आराम उसे कहां तक भाता है। ओशिन शुक्ला ने वीर रणबांकुरों की ना कोई कमी, पुनीता इतनी है अपनी यह सरजमी सुनाकर तालियां बटोरी। वहीं राधा की ढाणी से आए कवि कुमार विकास ने झांसी वाली रानी को सुन खून मेरा है खोला सुनाकर रंग जमा दिया। रेवाड़ी से आए कवि मनोज कौशिक ने जीवन है एक साज सुरीला इसको रोज बजाता चल, हांसी से आई कवियित्री खुशबू जैन ने स्वामी विवेकानंद ने वेदांत को सिखाया, क्या है हमारा भारत दुनिया को यह दिखाया सुनाकर स्वामी विवेकानंद को नमन किया।

मंडी अटेली। प्रेस कांफ्रेंस करते अटेली मार्केट कमेटी के चेयरमैन दिनेश जेलदार। फोटो: हरिभूमि

राव इंद्रजीत सिंह ने अहीरवाल को विकास की मुख्यधारा से जोड़ाः दिनेश जैलदार

मंडी अटेली। मार्केट कमेटी अटेली के चेयरमैन दिनेश जैलदार ने रविवार को अटेली में एक प्रेस कांफ्रेंस करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों को पूरी तरह निराधार हैं। ऐसे लोगों को पहले अपनी गिरेबान में झांककर यह देखना चाहिए कि राव इंद्रजीत सिंह ने उनके लिए क्या नहीं किया। राव इंद्रजीत सिंह केवल एक नेता नहीं, बल्कि अहीरवाल क्षेत्र के विकास के शिल्पकार हैं, जिन्होंने न जाने कितने लोगों को राजनीति में स्थापित किया, उन्हें परिपक्व किया और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया। राव इंद्रजीत सिंह एक बड़े दिलवाले, दूरदर्शी और जमीनी नेता हैं, जो हमेशा क्षेत्र के हितों को सर्वोपरि रखते हुए विकास के लिए संघर्षरत रहते हैं। भारतीय जनता पार्टी द्वारा उन्हें नीति आयोग में क्रियान्वयन एवं प्लानिंग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के साथ मंत्री का दर्जा दिया जाना उनकी कार्यक्षमता, अनुभव और विकास के प्रति समर्पण का प्रमाण है।

खबर संक्षेप

चरखी दादरी। पुलिस की गिरफ्त में आरोपी। फोटो : हरिभूमि

युवक की हत्या मामले में छठा आरोपी गिरफ्तार

चरखी दादरी। सीआईए स्टाफ ने अटेला खुर्द निवासी युवक के मर्डर मामले में छठे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने बताया कि 12 दिसंबर 2024 को अटेला खुर्द निवासी हरीश पर आधा दर्जन युवकों ने जानलेवा हमला किया था, उपचार के दौरान हरीश की मौत हो गई। आरोपी राहुल फरार चल रहा था जिसे एएसआई विशाल की टीम ने दबोच लिया।

सोहांसरा गोशाला में आठवां वार्षिक उत्सव 14 को

लोहारू। सोहांसरा स्थित श्री राधा कृष्ण गोशाला में आठवां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसमें लोहारू के विधायक राजबीर फरटिया बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। प्रधान हीरालाल मिश्रा ने बताया कि इस कार्यक्रम में अंजू यादव, मा. राजेश डांगी, ठेकेदार मनीष शेखावत, राजपाल यादव, राजबीर व नरेश विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

रविदास जयंती मनान को लेकर बनाई रणनीति

बाढ़ड़ा। डॉ. भीमराव अंबेडकर समाज कल्याण ट्रस्ट की बैठक रविदास मंदिर, बाढड़ा के प्रांगण में आयोजित की गई। बैठक में ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। मीटिंग में एक फरवरी को रविदास जयंती मनाने व ट्रस्ट के नए सदस्य जोड़ने को जागरूकता एवं सदस्यता अभियान चलाने पर सहमति बनी। इसके अलावा समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने तथा शिक्षा के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

बच्चों की गुणवत्ता में सुधार पर की चर्चा

बहल। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा एडीसी के निर्देश पर आंगनबाड़ी केन्द्र व प्ले स्कूल नूनसर में अभिवावक-शिक्षक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अभिवावकों को जागरूक किया। अभिवावकों से उनके बच्चों का रिपोर्ट कार्ड दिखाया गया व बच्चों की गुणवत्ता में सुधार के लिए जरूरी चर्चा की। रविवार को केन्द्र नंबर 215 में आयोजित कार्यक्रम सुपरवाइजर वंदना की देखरेख में आयोजित किया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के अलावा गांव के पंच व बच्चों के अभिवावक मौजूद रहे। कार्यकर्ता आशा रानी ने कहा कि विभाग द्वारा बच्चों में क्रियाशीलता बढाने, उनके शारीरिक विकास में बढोतरी व सही पोषण की जानकारी बढाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया है। अभिवावक बच्चों की दैनिक जरूरत के अनुसार उनका सही पोषण की जानकारी रखें।

अब अनपढ़ मजदूरों के लिए मजदूरी पाना और भी मुश्किल : अनिरूद्ध

मनरेगा को कमजोर करना मजदूरों व किसानों के अधिकारों का हनन: गुलिया

- भाजपा सरकार ने मनरेगा बजट में की कटौती, डिजिटल हाजिरी एवं जटिल प्रक्रियाओं ने बढ़ाई मुश्किलें : अनिरूद्ध
- कांग्रेस नेताओं ने दी चेतावनी, मजदूरों के हितों से खिलवाड़ बंद नहीं किया तो होगा आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष सामूहिक उपवास रखकर विरोध जताते कांग्रेसी।

केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को कमजोर कर मजदूरों के हितों से किए जा रहे खिलवाड़ के खिलाफ कांग्रेस ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। इसी कड़ी में रविवार को पंडित नेकीराम लाइब्रेरी परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रतिमा के समक्ष जिला कांग्रेस ने एक दिवसीय सामूहिक उपवास रखा और मजदूर विरोधी नीति का विरोध किया।

वहीं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। उपवास की अध्यक्षता कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी व ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनिरूद्ध चौधरी ने की। उपवास स्थल पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी व ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनिरूद्ध चौधरी ने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के गरीबों को दिया गया काम का अधिकार है, जिसे कांग्रेस सरकार ने 2006 में कानून बनाकर लागू किया था। उन्होंने चिंता जताई कि वर्ष 2020-21 में लगभग 11.19 करोड़ मजदूरों को रोजगार मिला था, वह 2025-26 तक घटकर मात्र 6.25 करोड़ रह गया है।

पहले मनरेगा मांग आधारित कानून था, जिसमें बजट की कोई सीमा नहीं थी, अब केंद्र सरकार तय कर रही है कि किस राज्य को कितना काम और कितनी राशि मिलेगी। डिजिटल हाजिरी और जटिल प्रक्रियाओं ने गरीब और अनपढ़ मजदूरों के लिए मजदूरी पाना और भी मुश्किल बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मनरेगा को कमजोर करना गरीबों, मजदूरों और किसानों के संवैधानिक अधिकारों का हनन है।

उन्होंने कहा कि वे गांव-गांव, घर-घर जाकर भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों से का पर्दाफाश करेंगे कि किस प्रकार भाजपा सरकार एक आम आदमी, किसान, मजदूर, व्यापारी के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली नीतियां क्रियान्वित कर रही है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व मुख्य संसदीय सचिव रामकिशन फौजी, राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल, कमल सिंह प्रधान, कामरेड ओमप्रकाश, सत्यजीत पिलानिया, ईश्वर मान, अमन राघव, ईश्वर शर्मा, राजकुमार धनखड़, दिनेश शास्त्री कौशिक, शीला गौरा, दीपेश सारसर, विरेंद्र फौजी, बलबीर सरोहा, संजय गांधी, लक्ष्मण वर्मा, विरेंद्र वाल्मीकि, मनदीप सुई, राजेंद्र धानक, समीर खटीक, देवराज महता आदि मौजूद रहे।

चरखी दादरी। रोज गार्डन में उपवास पर बैठे कांग्रेसी। फोटो : हरिभूमि

मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में किया उपवास

- कांग्रेसियों ने लाल बहादुर शास्त्री व महात्मा गांधी को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर चल रहे देशव्यापी मनरेगा बचाओ अभियान के तहत आज जिला कांग्रेस कमेटी ने रोज गार्डन में एक दिवसीय उपवास कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील धानक ने की। उपवास कार्यक्रम की शुरुआत देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कांग्रेस नेताओं ने उनके विचारों सत्य, अहिंसा, त्याग और गरीबों के हक को स्मरण करते हुए मनरेगा की रक्षा का संकल्प दोहराया। वक्ताओं ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मनरेगा स्कीम को खत्म करके सरकार ने बड़ा षड्यंत्र है। हालात इस कदर गंभीर हैं कि काम मांगने पर काम नहीं दिया जा रहा, मजदूरी का भुगतान महीनों तक लटकाया जा रहा है और जानबूझकर बजट में कटौती कर योजना को कमजोर किया जा रहा है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व सीपीएस रणसिंह मान, पूर्व विधायक सोमवीर सिंह, पूर्व विधायक धर्मपाल सांगवान, राजू मान, रणधीर धिकाड़ा, एडवोकेट आनंद सिंह, एडवोकेट बलवान सिंह, डॉ. ओमप्रकाश, प्रीतम बलाली, वीरेंद्र पप्पू, नरेंद्र दहिया, महेंद्र सोनी, एडवोकेट सुनील डुरेजा, दिलीप सिंह सांगवान, संजय बिड़लान, परमवीर सांगवान व रोहतास खटीक आदि मौजूद रहे।

शास्त्री का कुशल नेतृत्व और साहस सदा देशवासियों के लिए प्रेरणा स्रोत रहेगा : वधवा

भिवानी। रविवार को देश के दूसरे प्रधानमंत्री और 'जय जवान जय किसान, ' का नारा देने वाले लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि मनाई गई। पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भाजपा के पूर्व प्रदेश सह मीडिया प्रमुख रीतिक वधवा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री, लाल बहादुर शास्त्री सादगी और ईमानदारी के प्रतीक थे। उन्होंने अपने कृतित्व और व्यक्तित्व से देश के राजनीतिक इतिहास में अमिट छाप छोड़ी। शास्त्री जी का कुशल नेतृत्व और साहस सदा देशवासियों के लिए प्रेरणा स्रोत रहेगा। इस अवसर पर किसान मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक तिगड़ी, भूपेंद्र सैन तिगड़ी, अंकित सिंह ने भी पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री की पुण्य तिथि पर नमन किया।

तिगड़ाना स्टेडियम में खिलाड़ियों ने की सफाई

- राष्ट्रीय युवा दिवस पर तिगड़ाना के खेल स्टेडियम में स्वच्छता अभियान में खिलाड़ियों ने निभाई सफाई योद्धा की भूमिका : पिंकू

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। स्कूल परिसर में स्वच्छता अभियान चलाते हुए। फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर गांव तिगड़ाना स्थित खेल स्टेडियम में एक प्रेरणादायक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

यह अभियान गांव तिगड़ाना के ग्रामीणों, हॉकी खिलाडिय़ों, खेल प्रेमियों, ग्राम पंचायत एवं बदलाव की पाठशाला के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। अभियान के दौरान खिलाडिय़ों, ग्रामीणों एवं खेल प्रेमियों ने बढ़-चढक़र भाग लिया और स्वयं अपने खेल स्टेडियम व उसके आसपास के क्षेत्र की सफाई कर समाज को स्वच्छता का सकारात्मक संदेश दिया। खिलाडिय़ों ने मैदान में झाड़ू लगाकर यह सिद्ध किया कि वे केवल खेल के ही नहीं, बल्कि समाज के भी सच्चे योद्धा हैं।

इस अवसर पर शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने बदलाव की पाठशाला की ओर से खिलाडिय़ों को संबोधित करते हुए कहा कि खिलाड़ी केवल मैदान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज को सही दिशा देने की भी बड़ी जिम्मेदारी निभाते हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सरपंच डा. सुरेंद्र दहिया, अमित पंच, पूर्व हॉकी खिलाड़ी राम सिंह दहिया, मोनू तंवर, अमित कालू, अमन राणा कोच, दीपक कुमार, दीक्षित कोच, कृष्ण टूल्ली, मोहित प्रजापत, गौरव शर्मा सहित उपस्थित खिलाड़ियों ने स्वच्छता को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लिया।

सुचिता, सादगी और सरलता की प्रतिमूर्ति थे लाल बहादुर शास्त्री

भिवानी। शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए।

भिवानी। भारत के दूसरे प्रधानमंत्री और जय जवान जय किसान का नारा देने वाले लाल बहादुर शास्त्री की 60वीं पुण्यतिथि पर सुबेदार रूघबीर सिंह फार्म हाउस तोशाम में पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। इस दौरान युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री शास्त्री युग-युगांतर तक ईमानदारी की मिसाल रहेंगे। सुचिता, सादगी व सरलता की प्रतिमूर्ति, स्वेत क्रान्ति, हरित क्रांति, जय जवान जय किसान जैसे अमर मंत्र के उद्घोषक पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि 9 जून 1964 से 11 जनवरी 1966 तक लाल बहादुर शास्त्री ने प्रधानमंत्री पद पर अपने निजी जीवन की समस्याओं को दरकिनार करते हुए देश के प्रति अपनी सेवाएं दी जो अनुकरणीय है।

मार्केट न्यूज

तिगड़ाना में एमके हॉस्पिटल, भिवानी द्वारा मेगा हेल्थ कैंप का सफल आयोजन

भिवानी। एमके हॉस्पिटल, भिवानी द्वारा तिगड़ाना गांव में एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर *रविवार, 11 जनवरी को बाबा परमहंस लटाधारी (बिचला) मंदिर परिसर* में आयोजित किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच करवाई। इस स्वास्थ्य शिविर में *296 से अधिक मरीजों ने विभिन्न रोगों की जांच करवाई एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श प्राप्त किया। शिविर में एमके हॉस्पिटल के सभी विभागों के अनुभवी विशेषज्ञ डॉक्टर उपस्थित रहे। मरीजों को मुफ्त मैमोग्राफी, ईसीजी, बीएमडी, शुगर जांच* की सुविधा प्रदान की गई। इसके साथ-साथ जरूरतमंद मरीजों को *निःशुल्क दवाइयां* भी वितरित की गईं।

नंदी के पेट से 60 किलो पॉलीथिन व कचरा निकालकर बचाई नंदी की जान

तोशाम। तोशाम की बाबा मुंगीपा गोशाला एवं गोअस्पताल के गोसेवक एवं पशु चिकित्सकों ने आवारा घुमंतू नंदी अथवा बैल के पेट से करीबन 60 किलोग्राम से अधिक प्लास्टिक पॉलिथीन तथा कचरा निकालकर नंदी की जान बचाई। रविवार को तोशाम बाबा मुंगीपा गौशाला एवं गौअस्पताल के गौसेवक एवं पशु चिकित्सकों को सूचना मिली कि तोशाम के विद्यानगर में नंदी परेशानी की हालत में है। सूचना मिलते ही गौशाला के गौसेवक मौके पर पहुंचे तथा नंदी को नाजुक हालत में गौशाला अस्पताल परिसर में लेकर आए।

हरियाणा गोसेवा आयोग के सहयोग से धनाना में बनेगी गोशाला:श्रवण गर्ग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। धनाना में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोग।

गांव धनाना में गोसेवा आयोग द्वारा बाबा ब्रह्मचारी गोशाला का निर्माण करवाया जाएगा। ये घोषणा हरियाणा गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्रवण कुमार गर्ग ने खुद गांव धनाना पहुँच कर की है। गर्ग ने कहा कि गौ सेवा नारायण सेवा है। पर समय के साथ गोवंश का रखरखाव व सेवा कम होने लगी। जिसको लेकर हरियाणा सरकार ने हरियाणा गौ सेवा आयोग का गठन किया। जिसके माध्यम से गोशालाओं के अनुदान दिया जा रहा है। नई गोशालाएं बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि गोसेवा व रक्षा को लेकर सरकार के पास बजट की कोई कमी नहीं। इस दौरान रिटायर्ड आईजी राजपाल घनघस ने गौ सेवा आयोग अध्यक्ष को गांव की तरफ से मांग पत्र रखा। उन्होंने कहा कि गांव की सभी मांगों को अध्यक्ष ने मानते हुए कहा है कि गांव में नई गोशाला बनाई जाएगी। उस गोशाला में दो शेड बनेंगे, जिनमें एक डी प्लान से और एक गौ सेवा आयोग की तरफ से बनाए जाएंगे।

युग-युगांतर तक दी जाएगी पूर्व प्रधानमंत्री शास्त्री की ईमानदारी की मिसाल: कमल

तोशाम। भारत के दूसरे प्रधानमंत्री और जय जवान जय किसान का नारा देने वाले लाल बहादुर शास्त्री की 60वीं पुण्यतिथि पर सुबेदार रूघबीर सिंह फार्म हाउस तोशाम में पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। इस दौरान युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री शास्त्री युग-युगांतर तक ईमानदारी की मिसाल रहेंगे। सुचिता, सादगी व सरलता की प्रतिमूर्ति, स्वेत क्रान्ति, हरित क्रांति, जय जवान जय किसान जैसे अमर मंत्र के उद्घोषक पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि 9 जून 1964 से 11 जनवरी 1966 तक लाल बहादुर शास्त्री ने प्रधानमंत्री पद पर अपने निजी जीवन की समस्याओं को दरकिनार करते हुए देश के प्रति अपनी सेवाएं दी जो अनुकरणीय है। उनके शासनकाल में भारत ने दिन दौगुनी रात चौगुनी उन्नति की। उनके नेतृत्व में 1965 की जंग में पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी, तासकंद में पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के साथ युद्ध समाप्त करने के समझोते पर हस्ताक्षर करने के बाद 11 जनवरी 1966 की रात में उनकी रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई, रविवार को उनकी पुण्यतिथि के मौके पर उन्हें पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर बलबीर सिंह बजाड़, युद्धवीर सिंह चेयरमैन, अनिल शेषमां, सत्यवीर भुक्कल, ओमप्रकाश स्वामी, मुकेश शर्मा ढाणीमाहू, संदीप निगाणा, अंकित कुमार सहित अनेक युवा मौजूद थे।

बाबा खुबीनाथ नन्दीशाला मित्ताथल में सांस्कृतिक कार्यक्रम 14 को

भिवानी। गांव मित्ताथल स्थित बाबा खुबीनाथ नन्दीशाला में मकर सक्रांति पर्व पर 14 जनवरी को समस्त ग्राम पंचायत, समस्त ग्रामीणों, गोभक्तों व गोशाला कमेटी के सहयोग से सांस्कृतिक कार्यक्रम व भण्डारे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि शिरकत करेंगे। लोकगायक विकास पाहसौरिया अपनी टीम के साथ गोमाता के भजन व रागनियों की प्रस्तुतियां देंगे। सुबह 9: 15 बजे हवन का आयोजन होगा। वहीं सुबह 10:15 बजे भण्डारा व प्रसाद वितरण किया जाएगा जो प्रभु इच्छा तक चलेगा तथा सुबह 11:15 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

- लोकगायक विकास पाहसौरिया देंगे प्रस्तुति

विवाहिता की शिकायत पर ससुरालियों के खिलाफ प्रताड़ना का मामला दर्ज

लोहारू। लोहारू निवासी विवाहिता युवती की शिकायत पर लोहारू पुलिस ने उसके ससुराल पक्ष की दो महिलाओं सहित आधा दर्जन लोगों के खिलाफ प्रताड़ना का मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में लोहारू निवासी विवाहिता युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका विवाह 15 नवंबर 2024 को झुंझुनू में हुआ था। विवाह के बाद से ही उसे उसके पति, सास, ससुर और ननद आदि दहेज के लिए परेशान करने लगे और मारपीट करने लगे। इस मामले को लेकर लोहारू में दोनों पक्षों के बीच पंचायत भी हुई थी लेकिन उसके बाद भी ससुराल पक्ष के लोगों ने विवाहिता के साथ मारपीट की।

- दोनों पक्षों के बीच कई बार हो चुकी हैं पंचायत

हसान खेल स्टेडियम में कबड्डी कप कल, महंत छोटू नाथ देंगे आशीर्वाद

भिवानी। गांव हसान में सिद्ध बाबा फूलनाथ महाराज खेल मेला, पहला कबड्डी कप 40 व 30 किलोग्राम भार वर्ग के एक दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन खेल स्टेडियम हसान में 13 जनवरी को किया जाएगा। कोच अभिषेक व विजय ने बताया कि प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि महंत छोटू नाथ मंदिर हसान खिलाड़ियों को आशीर्वाद देंगे। प्रतियोगिता में टीम एक ही पंचायत की होनी चाहिए। सभी खिलाड़ी अपनी दो आईडी के साथ आएं । उन्होंने बताया कि 40 किलोग्राम भार वर्ग की विजेता टीम को 7100 रूपये, द्वितीय टीम को 5100 रूपये, तीसरे व चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को 2100-2100 रूपये देकर सम्मानित किया जाएगा।

- विजेता टीम को 7100 रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी

शिविर लगभग डेढ़ दर्जन रक्तदाताओं ने किया रक्तदान, लगाए बैज

विधायक के बड़े भाई, नपा व मार्केट कमेटी प्रधान सहित सरपंच ने किया संबोधित

भूषण कुमार ने 25वीं बार रक्तदान किया रक्तदाताओं को फल और गर्म दूध दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

बवानीखेडा। रिबन काटकर रक्तदान शिविर का शुभारंभ करवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

बवानी खेड़ा के बाबा कमाल मंदिर में बाला जी मैडिकल हाल के संचालक समाजसेवी महेश कुमार द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन करवाया गया।

रक्तदान शिविर का आयोजन महेश कुमार की स्वर्गीय माता जयदेवी पत्नी भीमसैन महता की पुण्यतिथि के उपलब्ध में आयोजित करवाया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन मास्टर कन्नव ठकराल व साहिल महता ने किया। शिविर में बतौर मुख्यातिथि के रूप में विधायक कपूर वाल्मीकि के बड़े भाई मास्टर राजेश कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में नपा प्रधान सुंदर अत्री, मार्किट कमेटी चेयरमैन राजू हंस, बलियाली सरपंच सचिन सरदाना, सरदार लक्खू सिंह, सरदार गुरबक्श सिंह ने पहुंचकर रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाते हुए बैज लगाने का कार्य किया। बवानी खेड़ा व भिवानी अस्पताल की टीम में डॉ. नीरज शर्मा, सुरेन्द्र, राजकुमार, नवीन, सुमन, सुभाष आदि ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में लगभग डेढ़ दर्जन के करीबन रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इसमें भूषण कुमार कक्कड़ ने भी 25वीं बार रक्तदान किया।

डॉ. महेश कुमार की टीम ने दी सेवाएं

विधायक कपूर वाल्मीकि के बड़े भाई मास्टर राजेश कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में नपा प्रधान सुंदर अत्री, मार्किट कमेटी चेयरमैन राजू हंस, बलियाली सरपंच सचिन सरदाना, सरदार लक्खू सिंह, सरदार गुरबक्श सिंह ने बताया कि महता परिवार की समाजसेवा में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका रही है। महेश महता द्वारा समय समय पर धार्मिक व सामाजिक कार्यों में अपनी भागीदारी अदा की जाती है। डॉ. महेश कुमार ने बताया कि इस रक्तदान में भिवानी ब्लड बैंक की टीम अपनी सेवाएं दी। शिविर का समय रविवार सुबह 10 बजे से 3 बजे तक का निर्धारित किया गया और ये कार्यक्रम सफल रहा। रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को फल व गर्म दूध दिया गया।

- वैश्य महाविद्यालय भिवानी के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन समारोह हुआ संपन्न

शैक्षणिक कैलेंडर परंपराओं और उपलब्धियों का प्रतीक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। कैलेंडर का विमोचन करते कॉलेज प्रबंधन कमेटी। फोटो : हरिभूमि

वैश्य महाविद्यालय भिवानी के प्रांगण में महाविद्यालय के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन समारोह संपन्न हुआ।विमोचन समारोह में मुख्य रूप से वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के प्रधान एडवोकेट शिवरतन गुप्ता,वैश्य महाविद्यालय प्रबंधक समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता,उपाध्यक्ष डॉ प वन बु वा नी वा ला , को षा ध्य क्ष बृजलाल सर्राफ, ट्रस्टी विजय किशन अग्रवाल, प्राचार्य डॉ संजय गोयल, कार्यालय अधीक्षक कमल भारद्वाज सहित महाविद्यालय स्टाफ के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।अतिथियों का स्वागत करते हुए प्राचार्य डॉ संजय गोयल ने कहा कि यह कैलेंडर महाविद्यालय की वार्षिक कार्ययोजना का दर्पण है, जो समयबद्धता, अनुशासन और शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कैलेंडर निर्माण में सहयोग देने वाले सभी साथियों को साधुवाद दिया। वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के प्रधान एडवोकेट शिवरतन गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि वैश्य महाविद्यालय भिवानी द्वारा प्रकाशित यह कैलेंडर न केवल तिथियों का संकलन है, बल्कि यह संस्थान की शैक्षणिक परंपराओं, मूल्यों और उपलब्धियों का प्रतीक है। वैश्य महाविद्यालय प्रबंधक समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा कि महाविद्यालय का यह कैलेंडर विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए मार्गदर्शक के रूप में कार्य करेगा।